तेरापंथ युवक परिषद्, जयपुर

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17
फोन : 91-141 **2724712**,

प्रेस विज्ञप्ति

''श्रीमद् जयाचार्य का 128 वां निर्वाण दिवस समारोह''

श्रीमद् जयाचार्य ने अनु-ाासनबद्ध संघ व्यवस्थाएं की

जयपुर, 17 अगस्त 2009

तेरापंथ युवक परिशद्, जयपुर के तत्वावधान में आज रामनिवास बाग स्थित श्रीमद् जयाचार्य स्मारक स्थल पर श्रीमद् जयाचार्य का 128 वां निर्वाण दिवस समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुनिश्री विनयुकुमारजी 'आलोक' ने कहा कि :- हमें आज नवीन चिंतन करना है, प्रद-ान के स्थान पर द-ान का अनुभव करना है। ''बात कम, काम ज्यादा''- इस सूत्र को जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा- जैन समाज संगठित होकर कार्य करें। हम लोकोत्तर पर्व ध्यान में रखें, जिससे हम आत्मा से परमात्मा की ओर अग्रसर हो सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर नगर निगम के महापौर श्री पंकज जो-ी ने कहा कि श्रीमद् जयाचार्य ने अनु-ाासन व मर्यादा की जो -िक्षा दी वह आज अधिक प्रासंगिक बन गई है। उन्होंने समाज का निर्माण किया और अध्यात्म को तुफान की तरह फैलाया साध्वीश्री संघमित्राजी ने कहा :- जयाचार्य ने तेरापंथ धर्म संघ में नया सोच, नया चिंतन व नई संघ व्यवस्थाएं दी। सेवा की व्यवस्था देकर नया सूत्रपात किया।

साध्वीश्री रतनश्री जी ने कहा कि :- जयाचार्य मनोवैज्ञानिक आचार्य थे। उन्होंने आगमों का गहन अध्ययन किया था। वे अनु-ाासन प्रिय थे और उनका व्यक्तित्व एकाग्रचित था।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए तेरापंथ युवक परिशद् राश्ट्रीय अध्यक्ष श्री मर्यादा कुमार कोठारी ने कहा कि श्रीमद् जयाचार्य मंत्रसिद्ध आचार्य थे, वे अनु-ाासन के मामले में कड़े थे। आज हम तेरापंथ के स्वर्णिम युग में जी रहे हैं। हमें जयाचार्यश्री की प्रेरणा को जीवन में उतारना चाहिए।

इस अवसर पर श्री ओमप्रका-ा जैन, श्री राजकुमार बरड़िया, साध्वीश्री सुव्रताजी, मुनिश्री गिरी-ा कुमार जी एवं अन्य साध्वियों आदि अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखें।

इस अवसर पर 28 दिन कि तपस्या का प्रत्याखान करने वाली बहिन निर्मला देवी जूनीवाल का भी अभिवादन किया गया। इस अवसर पर कांति कुमार दूगड़ मेमोरीयल ट्रस्ट तथा तेरापंथ युवक परिशद् जयपुर द्वारा वि-ाल रक्तदान -िविर में 93 यूनिट रक्तदान किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अध्यक्ष श्री सुधीर चौरड़िया ने सभी आगन्तुको का स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री पन्नालाल पुगलिया ने किया। आभार श्री समीर बाबेल ने ज्ञापित किया। अथितियों का सम्मान साहित्य व प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया गया।

मंत्री
समीर बाबेल